RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

ऐसी-तैसी में गये, अमरीका के बैन।
खूब लड़ायेंगे अभी, साथ रूस के नैन।
साथ रूस के नैन, करेंगे ता-ता थैया।
होर्मूज है बंद, पुतिन तुम भेजो भैया।
कह साहिल कविराय, भला घबराहट कैसी।
तेल दे रहा रूस, सभी की ऐसी-तैसी।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 129 | WEDNESDAY 20-05-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

किराए की कोख का बढ़ता कारोबार

अशोक सहगल

लुधियाना, यूटर्न 19 मई : तमाम पाबंदियों के बावजूद सरोगेसी यानी कि किराए की कोख का कारोबार फिर से बढ़ने लगा है उत्तर भारत से बहुत से लोग सरोगेसी से बच्चा पैदा करने के लिए दिल्ली और रहने बड़े शहरों का रुख करते हैं जबकि पंजाब में यह हालांकि चोरी छिपे चल रहा अवैध धंधा है चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत में कई वर्षों से सरोगेसी एक फलता-फूलता बिजनेस रहा है। कई तो विशेष सैकड़ो साल पुराना कारोबार मानते हैं लेकिन अनइथिकल प्रैक्टिस और सरोगेट्स के शोषण ने देश में इस प्रैक्टिस पर बुरा असर डाला है, देश विदेश से लोग सरोगेसी के लिए भारत आने लगे क्योंकि यहां पर खर्च भी बहुत कम था अनरेगुलेटेड सेक्टर के कमर्शियलाइजेशन से ₹सरोगेसी टूरिज्म₹ को बढ़ावा मिला क्योंकि विदेशी जोड़े भारत आने लगे। इस बढ़ते अवैध धंधे को देखते हुए सरकार को कमर्शियल पर रोक लगाने के लिए कानून लाने पर मजबूर होना पड़ा।

आईवीएफ क्लिनिक, एजेंटो जाल तेजी से फैलने लगा जो नहीं संतान दंपतियों को अपने क्लीनिक के लिए हाई सक्सेस रेट के बारे में भरोसा दिलाते और हेल्थी बच्चा पैदा करने का आश्वासन देते हर्ष सरोगेसी के लिए 10 से 15 लड़कियों की स्क्रीनिंग की जाती और उनकी फोटो की संतान दंपतियों से शेयर की जाती। बताया जाता है कि बच्चा पैदा होने के तुरंत बाद मां और बच्चे को अलग कर दिया जाता अवैध धंधा होने के कारण सरोगेट मदर और निसंतान दंपतियों को एक दूसरे से मिलने नहीं दिया जाता बच्चा पैदा करने की इच्छुक युगल को सरोगेट मदर के धर्म के बारे में पूछा जाता है बताया जाता है कि सरोगेट मदर के लिए उत्तर प्रदेश झारखंड पश्चिम बंगाल और बिहार की रहने वाली महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती जब यह धंधा फॉल फूलने लगा तो सरकार चुटकुनी हुई और एक गहन जांच के बाद देश में सरोगेसी पर कानून बना दिया गया बताया जाता है कि देश में कानून बनने के बाद मेट्रो सिटीज में यह कारोबार अवैध रूप से शुरू हो गया इसमें संतान पाने के इच्छुक लोगों से मुहमांगी फीस मांगी जाने लगी सरोगेसी के लिए युवा लड़कियों को प्रलोभन दिए जाने लगे जबकि कानून के अनुसार शादीशुदा और बाल बच्चे वाली सरोगेट मदर का रोल अदा कर सकती है कानून में चाहे एक बार सरोगेट मदर बनने का प्रावधान हो परंतु इस कार्य के लिए महिलाओं का एक से अधिक बार इस्तेमाल किए जाने लगा।

विदेशी सरोगेट मदर के लिए फिर से भारत आने लगे और यहां से महिलाओं को अपने साथ विदेश ले जाने के प्रलोभन दिए जाने लगे और यह कार्य आज भी जारी है ऐसा बताया जाता है।

सरोगेसी के लिए मानव तस्करी के मामलों पर प्रशासन हुआ अलर्ट

मुंहमांगी कीमत देते लोगों की डिमांड पर महिलाओं का शोषण.

दिसंबर 2018 में लोकसभा में सरोगेसी एक्ट पारित.

कमर्शियल सरोगेसी पर पूरी तरह पाबंदी.

सरोगेट बिना कोई कैश या फायदा लिए बन सकती है मां.

मेडिकल जटिलता झेल रहे बेऔलाद जोड़ों को सरोगेसी की अनुमति.

विदेशियों के लिए भारत में सरोगेसी बैन.

लिव-इन कपल, ट्रांसजेंडर और सिंगल्स को भी अनुमति नहीं.

कोई महिला एक ही बार हो सकती है सरोगेट.

शादीशुदा और बाल-बच्चे वाली ही बन सकती है सरोगेट.

बच्चे के जन्म के बाद कपल उसे अपनाने से मना नहीं कर सकता.

पंचकूला में POCSO जागरूकता शिविर, छात्रों को दी सुरक्षा संबंधी जानकारी

पंचकूला, 19 मई: सेक्टर-20 स्थित सोलिटेयर इंटरनेशनल स्कूल में ढडउरड जागरूकता अभियान के तहत एक कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बाल संरक्षण कानूनों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित व्यवहार के प्रति संवेदनशील बनाना था। शिविर में छात्रों, शिक्षकों और स्कूल स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला श्री अजय कुमार घांघस उपस्थित रहे। उन्होंने ह्यूमन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (ढडउरड) अधिनियमह्ल पर विस्तार से जानकारी देते हुए बच्चों को अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा, अनुचित स्पर्श की पहचान और किसी भी प्रकार के शोषण की तुरंत रिपोर्ट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने खुलकर अपने सवाल पूछे और विशेषज्ञों से समाधान प्राप्त किया। श्री घांघस ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क और बाल-हितैषी कानूनी सेवाओं की जानकारी भी साझा की। विद्यालय की प्रधानाचार्य ने इस पहल के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का आभार जताया। वहीं संसाधन व्यक्ति आकांक्षा यादव ने भी बच्चों की सुरक्षा में समाज की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एक हफ़्ते में दूसरी बार ईंधन की कीमतें बढ़ीं पेट्रोल 87 पैसे, डीजल 91 पैसे महंगा हुआ

चंडीगढ़/यूटर्न/19 मई। मंगलवार को ईंधन की कीमतें फिर बढ़ गई। पेट्रोल 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया। इससे उन घरों और कारोबारों पर दबाव और बढ़ गया है जो पहले से ही पश्चिम एशिया में चल रहे लंबे संघर्ष के कारण ज्यादा ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स खर्चों से जूझ रहे हैं। यह ताजा बदलाव केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ाने के कुछ ही दिनों बाद आया है। यह एक हफ़्ते के अंदर दूसरी बढ़ोतरी है, क्योंकि सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियाँ बढ़ती वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों और बाधित ऊर्जा आपूर्ति मार्गों के कारण बढ़ते नुकसान से जूझ रही हैं। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि वह यह अनुमान नहीं लगा सकती कि ईंधन की कीमतों में अगला बदलाव कब होगा। हालाँकि, अधिकारियों ने माना कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की बढ़ी हुई कीमतों के चलते भारतीय तेल कंपनियाँ गंभीर वित्तीय संकट में हैं।

बदलती स्थिति पर सरकार की बारीकी से नजर

मंत्रालयों के बीच हुई एक ब्रीफिंग में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि सरकार बदलती स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है, लेकिन उन्होंने यह संकेत नहीं दिया कि क्या ईंधन की कीमतों में और बढ़ोतरी होने वाली है। शर्मा ने कहा, ₹पश्चिम एशिया संकट शुरू हुए ढाई महीने से ज्यादा हो गए हैं, और होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थिति अभी भी सामान्य नहीं है।₹ उन्होंने आगे कहा कि भारतीय रिफाइनरियाँ बिना किसी रुकावट के काम कर रही हैं और पूरे देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

केंद्र सरकार नहीं लगा सकती अनुमान

केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि वह यह अनुमान नहीं लगा सकती कि ईंधन की कीमतों में अगला बदलाव कब होगा। हालाँकि, अधिकारियों ने माना कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की बढ़ी हुई कीमतों के चलते भारतीय तेल कंपनियाँ गंभीर वित्तीय संकट में हैं। सरकार ने उपभोक्ताओं से यह भी आग्रह किया कि वे घबराकर खरीदारी न करें। सरकार ने भरोसा दिलाया कि इस क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर्याप्त बनी हुई है।

मेट्रो शहरों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी

चार बड़े शहरों (मेट्रो) में से कोलकाता में पेट्रोल की कीमतों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिली। वहाँ पेट्रोल 96 पैसे महंगा हो गया, जिससे इसकी खुदरा कीमत 109.70 रुपये प्रति लीटर हो गई। शहर में डीजल की कीमतें 94 पैसे बढ़कर 96.07 रुपये प्रति लीटर हो गई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव डाल रही हैं, क्योंकि भारत अपने कच्चे तेल का 85-90 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी इसलिए की गई, क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को वित्तीय नुकसान हो रहा था।

चंडीगढ़ में डॉग पाउंड की कमी बनी बड़ी चुनौती, आक्रामक आवारा कुत्तों से बढ़ रही परेशानी

चंडीगढ़/यूटर्न/19 मई। शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और लोगों पर हमलों की घटनाओं ने नगर निगम और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। रोजाना कुत्तों के काटने के करीब 50 नए मामले सामने आ रहे हैं, जबकि फॉलोअप मामलों सहित प्रतिदिन लगभग 100 लोगों को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई जा रही है। हालांकि लंबे समय से शहर में रेबीज का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है, लेकिन सड़कों पर घूम रहे आक्रामक और संवेदनशील कुत्ते लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि शहर में बड़े स्तर पर डॉग शेल्टर या डॉग पाउंड की व्यवस्था न होना भी समस्या का बड़ा कारण है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों से आक्रामक

आवारा कुत्तों को हटाकर सुरक्षित डॉग पाउंड में रखने के निर्देश दिए थे, लेकिन चंडीगढ़ में फिलहाल ऐसी कोई पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं है।

नगर निगम अब सेक्टर-25 वेस्ट क्षेत्र में शहर का पहला बड़ा डॉग शेल्टर बनाने की तैयारी कर रहा है। यह परियोजना डड्डूमाजरा स्थित एमआरएफ सेंटर के पास करीब 1.7 से 2 एकड़ जमीन पर विकसित की जाएगी। करीब 18.42 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस डॉग शेल्टर का निर्माण सितंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रस्तावित शेल्टर में लगभग 1,980 आवारा कुत्तों को रखने की क्षमता होगी। इसके लिए दो मंजिला भवन तैयार किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में केनेल बनाए जाएंगे। परियोजना में एंटी रेबीज वैक्सीनेशन सेंटर, नसबंदी सुविधा, वेटरनरी क्लिनिक, उपचार केंद्र, एक्सरसाइज एरिया, प्रशासनिक ब्लॉक, किचन, स्टोर रूम, ड्रेनेज, बिजली-पानी व्यवस्था और एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट जैसी सुविधाएं भी शामिल होंगी।

दूसरी ओर, शहर में लागू 'पेट एंड कम्युनिटी डॉग बायलॉज' का अभी तक सख्ती से पालन नहीं हो पा रहा है।

नियमों के तहत कुछ खतरनाक नस्लों पर प्रतिबंध, पालतू कुत्तों का पंजीकरण अनिवार्य करना और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने पर जुमार्ने का प्रावधान है। सुखना लेक और लेजर वैली जैसे क्षेत्रों में कुत्तों के प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है, लेकिन जमीनी स्तर पर नियमों का प्रभाव सीमित नजर आ रहा है।

कुत्तों के काटने से जुड़े मामलों में मुआवजे का बोझ भी लगातार बढ़ रहा है। हाईकोर्ट के निर्देश पर गठित कमेटी ऐसे मामलों में मुआवजा तय करती है और फिलहाल सैकड़ों मामले लंबित बताए जा रहे हैं .

1984 दंगा पीड़ितों का मोर्चा, सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम, मांगें न मानीं तो सीएम आवास पर अनशन

जालंधर/यूटर्न/19 मई। जालंधर में मंगलवार 1984 के दंगा पीड़ितों ने पंजाब की भगवंत मान सरकार और केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पीड़ितों का आरोप है कि पंजाब सरकार ने पुनर्वास के वादे करके अधिसूचना जारी होते ही उन्हें रद्द कर दिया, जो उनके साथ एक बड़ा विश्वासघात है। उन्होंने मुख्यमंत्री को चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर पुनर्वास के फैसलों को लागू नहीं किया गया, तो पांच दंगा पीड़ित विधवाएं चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास के बाहर आमरण अनशन पर बैठेंगी। दंगा पीड़ितों के नेताओं ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार को आए लगभग साढ़े चार साल हो चुके हैं। लेकिन, इतने लंबे समय के बाद भी 1984 के नरसंहार के पीड़ित परिवारों के पुनर्वास को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

पिछली सरकार के फैसलों को लागू करने की मांग

पीड़ितों ने बताया कि पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेशानुसार, पिछली सरकार ने पंजाब में रह रहे लगभग 25 हजार दंगा पीड़ित परिवारों के पुनर्वास के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए थे। वर्तमान भगवंत मान सरकार से संस्था ने कई बार इन फैसलों को लागू करने की अपील की और विरोध प्रदर्शन भी किए।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 06 मुख्य खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन पर राष्ट्रीय.....

टेंडर में कमीशन का खेल, शहर बना कूड़े का ढेर !

लुधियाना/यूटर्न/19 मई। स्मार्ट सिटी कहे जाने वाले लुधियाना शहर में लगातार कूड़े के ढेर लगते जा रहे हैं। आज हालात यह हो चुके हैं कि शहर की कोई ऐसी सड़क नहीं है, जहां पर कूड़े के ढेर न लगे हों। यह हालात सिर्फ सड़कों के नहीं बल्कि ताजपुर रोड स्थित कूड़ा डंप के भी ऐसे ही बुरे हालात है। डंप पर भी कूड़े के पहाड़ बनते जा रहे हैं, लेकिन उसे सेग्रीगेट नहीं किया जा पा रहा।

इसका मुख्य कारण कोई और नहीं बल्कि टेंडरों में हुए कमीशन का खेल है। चर्चा है कि पूर्व एसई संजय कंवर की और से अपने बड़े साहब समेत कई अधिकारियों के साथ मिलकर कॉम्पैक्टर ऑपरेशन से लेकर कूड़ा सेग्रीगेट करने तक जितने भी टेंडर लगाए सभी में 10 प्रतिशत से लेकर 22 प्रतिशत तक कमीशन का खेल किया। चर्चा है कि कमीशन के चक्कर में इन अधिकारियों ने उन चार कंपनियों को शहर का जिम्मा सौंप दिया, जो इस कार्य को पूरा करने में सक्षम ही नहीं है। जिसके नतीजे में आज न तो कॉम्पैक्टर सही से चल पा रहे हैं और न ही कूड़ा लिफ्टिंग व सेग्रीगेट हो पा रहा है। इन अधिकारियों ने अपनी जेब भरने के चक्कर में आज शहर को ही कूड़ेदान बना दिया है। देखना होगा कि सरकार इन पर क्या एक्शन लेती है।

विजिलेंस जांच में हो सकते बड़े खुलासे

वहीं चर्चा है कि इन चारों टेंडरों की विजिलेंस जांच होनी चाहिए। जिससे बड़े खुलासे होने की उम्मीद है। चर्चा है कि अगर विजिलेंस जांच हो जाए तो कई बड़े अफसरों के नाम सामने आ सकते हैं।

73 करोड़ का टेंडर, लेकिन दो प्रतीशन भी नहीं हुआ काम

चर्चा है कि पूर्व एसआई संजय कंवर ने बड़े साहब के साथ मिलकर ग्रीनटेक कंपनी को डंप पर नया कूड़ा सेग्रीगेट के लिए टेंडर अलॉट किया। उसे 73 करोड़ का टेंडर अलॉट हुआ। जिसमें उसे 695 रुपए प्रति टन पेमेंट अदा की जानी है। 73 करोड़ के इस टेंडर का आज तक 2 प्रतिशत काम भी नहीं हो सका। चर्चा है कि इस टेंडर में भी 15 प्रतिशत कमीशन का खेल हुआ है। यानि कि उक्त कंपनियां इतनी सक्षम ही नहीं है कि वह इतनी भारी मात्रा में कूड़ा सेग्रीगेट कर सकें।

साइटों पर लगाई हलकी कॉम्पैक्टर मशीनें

वहीं कुछ दिन पहले प्रताप चौक में सफाई कर्मियों ने कूड़ा गिराकर प्रदर्शन किया था। जिसमें आरोप लगाए थे कि शहर के 40 प्रतिशत कॉम्पैक्टर हर समय खराब ही रहते हैं। वहीं कॉम्पैक्टरों पर लगी मशीनें हलकी हैं, जो ज्यादा काम नहीं कर पाती। जिसके चलते डंप बाहर लाइनें लगती है। चर्चा है कि अब जिस टेंडर से 22 प्रतिशत कमीशन दे दी गई हो तो वहां पर बढ़िया क्वालिटी की मशीनरी कहां से लग सकेगी, वहीं कमीशन के कारण कॉम्पैक्टर भी मनमानी तरीके से चलाए जाते हैं।

कॉम्पैक्टर टेंडर में 22 प्रतिशत कमीशन का हुआ खेल

चर्चा है कि नगर निगम द्वारा कॉम्पैक्टरों का टेंडर प्यारा सिंह एंड संस फर्म को दिया गया था। जिसमें 32 जगह पर कॉम्पैक्टर इंस्टाल किए गए। इस टेंडर में कॉम्पैक्टर का ऑपरेशन, मैन्टेनेंस और कॉम्पैक्ट किया कूड़ा डंप तक पहुंचाना शामिल था। इसमें 300 रुपए प्रति टन के हिसाब से 40 करोड़ का टेंडर दिया गया था। चर्चा है कि इस टेंडर में 22 प्रतिशत कमीशन का खेल किया गया था।

पहला काम पूरा किए बिना अलॉट कर डाला दूसरा टेंडर

चर्चा है कि निगम द्वारा जून 2022 में कूड़ा सेग्रीगेट के लिए टेंडर लगाया। जिसमें टिब्बा रोड डंप से 5 लाख टन सुक्खा व पुराना कूड़ा सेग्रीगेशन के लिए महाराष्ट्र के लातूर की सागर मोटर्स फर्म को 27 करोड़ का ठेका दिया। इसमें 10 प्रतिशत कमीशन का खेल हुआ। तब निगम कमिश्नर संदीप ऋषि और पूर्व एसई संजय कंवर की अगुवाई में यह ठेके दिए गए। चर्चा है कि फर्म ने 60 प्रतिशत सुक्खा कूड़ा डंप से उठाया, जबकि बाकी 40 प्रतिशत कूड़ा उठाने की जगह पूर्व कमिश्नर और पूर्व एसई के साथ मिलकर जाली बिल बनाकर पूरी पेमेंट ले ली। यह मामला विवादित होने पर इसे दबाने को पूर्व एसई संजय कंवर ने पूर्व कमिश्नर आदित्य डेचलवाल के साथ मिलकर 2025 में 19 लाख टन सुक्खा कूड़ा सेग्रीगेट करने के लिए 70 करोड़ का एक और टेंडर लगाकर सागर मोटर्स को दे दिया। जिसमें फिर 10 प्रतिशत कमीशन का खेल हुआ।

अलॉयस कंपनी का भी काम जारी, पूरा कब होगा पता नहीं

वहीं पूर्व एसई और बड़े साहब ने मिलकर यह टेंडर का खेल यहीं नहीं रोका। बल्कि अलॉयस कंपनी को भी हंबड़ा रोड डंप पर पड़े पुराने कूड़े को सेग्रीगेट करने का ठेका दिया। साढ़े सात करोड़ का यह टेंडर दिया गया, लेकिन आज तक काम 50 प्रतिशत नहीं हो सका। चर्चा है कि इस टेंडर में भी कमीशन का खेल हुआ।

ग्राम सभा तय करेगी आपकी आय! हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला, अब जरूरतमंदों तक सीधे पहुंचेंगे लाभ

चंडीगढ़/यूटर्न/19 मई।

हरियाणा सरकार ने परिवार पहचान पत्र (PPP) के तहत आय सत्यापन प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए हैं कि अब नागरिकों की आय का सत्यापन ग्राम सभाओं के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए, ताकि वास्तविक पात्र परिवारों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच सके।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सिविल सचिवालय में नागरिक संसाधन सूचना विभाग और सेवा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों की आय

का सत्यापन लंबित है, उनका काम जल्द पूरा किया जाए ताकि किसी भी जरूरतमंद को योजनाओं से वंचित न रहना पड़े।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि कई मामलों में अलग-अलग स्रोतों से आय के आंकड़ों में अंतर आने के कारण अंतिम निर्णय लेना कठिन हो जाता है। इस पर मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि संबंधित टीमों द्वारा जुटाए गए आंकड़ों को ग्राम सभा की बैठक में रखा जाए और वहीं से अंतिम सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा का निर्णय अंतिम माना जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि लंबित आयु और अन्य सत्यापन मामलों को अतिरिक्त उपायुक्त के माध्यम से जल्द पूरा किया जाए। साथ ही सभी पेंडिंग मामलों को एक महीने के भीतर निपटाने के आदेश दिए गए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कृषि से होने वाली 5 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को ध्यान में रखते हुए किसी भी परिवार को उन योजनाओं से वंचित नहीं किया जाएगा, जिनकी अधिकतम आय सीमा 1.80 लाख रुपये निर्धारित है। इससे किसानों और ग्रामीण परिवारों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, दयालु योजना में आधार लिंक से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी और अतिरिक्त उपायुक्त की संयुक्त कमेटी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने CRID पंचायत लोकल ऑपरेटर (CPL0) और लोकल कमेटी लोकल ऑपरेटर (LCL0) की समस्याओं पर भी चर्चा की और इनके लिए जल्द ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित करने को कहा, ताकि उनकी कार्यक्षमता और समझ को और बेहतर किया जा सके।

CRID के आयुक्त एवं सचिव ने जानकारी दी कि हरियाणा का परिवार पहचान पत्र प्लेटफॉर्म देश में अपनी तरह का अनूठा मॉडल है। प्रदेश के 23 जिलों में अब तक 77 लाख से अधिक परिवारों और करीब 2.98 करोड़ नागरिकों का डेटा पंजीकृत किया जा चुका है। इसके माध्यम से 50 से अधिक विभागों की 400 से ज्यादा योजनाएं जोड़ी गई हैं।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि जल्द ही PPP 2.0 डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा और नागरिकों को स्मार्ट कार्ड भी जारी किए जाएंगे, जिससे सेवाएं और अधिक आसान और पारदर्शी बन सकें। बैठक में वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे और विभागीय कार्यों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई।

फ्रीबी नहीं, स्किल चाहिए, 'बेरोजगारी से स्किल तक 'रंगला पंजाब' के लिए MP साहनी का रोडमैप'

पंजाब की गिरती आर्थिक स्थिति, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, कौशल विकास की कमी और समाज में बढ़ती असमानता—इन सभी मुद्दों पर राज्यसभा सांसद और पद्मश्री विक्रमजीत साहनी ने विस्तार से अपनी बात रखी। एक सफल उद्यमी, समाजसेवी और राजनेता के रूप में उनकी सोच स्पष्ट है—पंजाब को दोबारा उठाने के लिए जमीनी स्तर पर काम करना होगा, न कि सिर्फ नीतियों की बात। पेश हैं बातचीत के प्रमुख अंश—

प्रश्नः आप बिजनेस, सामाजिक कार्य और राजनीति—इन तीनों को कैसे मैनेज करते हैं?

उत्तरः यह सब एक शौक और जुनून से शुरू हुआ था। 80 के दशक में जब हम पंजाब में पढ़ते थे, तभी से दिल में था कि इस मिट्टी के लिए कुछ करना है। आज पंजाब की हालत बहुत खराब हो चुकी है—आप बेरोजगारी का मुद्दा देख लीजिए, नशे की समस्या देख लीजिए, खेती में युवाओं की भागीदारी घट रही है, फसल विविधीकरण का मुद्दा है, पर्यावरण की समस्या है, व्यापार और उद्योग की स्थिति भी वैसी नहीं रही जैसी पहले होनी चाहिए थी। 1990 के दशक में पंजाब की प्रति व्यक्ति आय और स्थिति बहुत मजबूत थी। लेकिन आज अगर आप हरियाणा को देखें—जो पंजाब से ही अलग हुआ था—तो उसका जीएसटी संग्रह, जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय पंजाब से कई गुना आगे है। यह देखकर बहुत दुख होता है कि हमारा पंजाब पीछे क्यों चला गया। मेरा मानना है कि हमें राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर, बेहतर केंद्र-राज्य संबंधों के साथ सभी को जोड़कर फिर से पंजाब की 'गैरत' और 'रंगला पंजाब' वापस लाना होगा। क्योंकि पंजाबी किसी से कम नहीं... पंजाबी दुनिया भर में अच्छा कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि पंजाब के अंदर पंजाबी क्यों पीछे रह गया?

प्रश्नः आप पहले ब्यूरोक्रेट थे, फिर राजनीति में कैसे आए?

उत्तरः मैं एक आत्मनिर्भर व्यक्ति हूं और पहली पीढ़ी का उद्यमी हूं। शुरूआत में मुझे लगभग डेढ़ साल तक नौकरी नहीं मिली। मैं स्कूटर पर घूम-घूमकर अपना बायोडाटा

और सीवी देता था, लेकिन नौकरी नहीं मिलती थी। बाद में मुझे वाणिज्य मंत्रालय में नौकरी मिली, जहां मैंने लगभग 8 साल काम किया। उसके बाद मैंने अपना व्यवसाय शुरू किया और एक वैश्विक स्तर का कारोबार खड़ा किया। सच कहूं तो मैं राजनीति के लिए बना हुआ नहीं था, लेकिन मेरे दोस्तों ने कहा कि आप पंजाब के लिए इतना काम कर रहे हैं, आपकी आवाज और मजबूत हो सकती है अगर आप राज्यसभा जैसे मंच पर जाएं। मैंने सार्क सीसीआई, आईसीसी इंडिया चैप्टर, ब्रिक्स एग्री काउंसिल जैसे कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर काम किया, इसलिए उन्होंने कहा कि अब आपको संसद में जाना चाहिए ताकि आप पंजाब और देश के मुद्दों को और प्रभावी तरीके से उठा सकें। और वही हुआ—पिछले कुछ वर्षों में मैंने युवाओं, महिलाओं, पंजाब विश्वविद्यालय, स्कूल फीस और स्वास्थ्य सेवा जैसे कई मुद्दे उठाए।

प्रश्नः आप कौशल विकास पर इतना जोर क्यों देते हैं?

उत्तरः क्योंकि आज के समय में डिग्रियों का महत्व बहुत कम हो गया है। अगर आप शिक्षण क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो अलग बात है, लेकिन बाकी क्षेत्रों में कौशल ज्यादा जरूरी है। आज एम.ए. या डॉक्टरेट करने से भी नौकरी की गारंटी नहीं है। मैंने खुद संघर्ष किया है—डेढ़ साल तक नौकरी के लिए भटकता रहा हूं। इसलिए मुझे पता है कि कौशल की कितनी अहमियत है। आज हमने पंजाब में बड़े स्तर पर कौशल केंद्र बनाए हैं—लुधियाना, पटियाला, जालंधर, अमृतसर, होशियारपुर, फरीदकोट—हर जगह विश्वस्तरीय केंद्र हैं।

यहां नर्सिंग, ब्यूटी एंड वेलनेस, फैशन डिजाइनिंग, एयर होस्टेस, टूरिज्म, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, सीएनसी ऑपरेटर, वेल्डर, सोलर तकनीशियन, इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र जैसे कोर्स कराए जाते हैं। लुधियाना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बड़ी प्रयोगशाला भी है ताकि हम भविष्य के लिए युवाओं को तैयार कर सकें। सबसे खास बात यह है कि हमने उद्योग को सीधे कौशल केंद्रों से जोड़ा है। उद्योग हमें बताता है कि उन्हें किस तरह का कार्यबल चाहिए—जैसे 5000 प्रशिक्षित सीएनसी ऑपरेटर, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर—और हम उसी हिसाब से प्रशिक्षण देते हैं। यही कारण है कि हमारे केंद्रों में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट है। पिछले साल हमने 5250 युवाओं को नौकरी दिलवाई, और इस साल मेरा लक्ष्य 10,000 युवाओं को कौशल देकर नौकरी दिलवाना है। क्योंकि मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है—नौकरी।

प्रश्नः आप छात्रों की पढ़ाई में किस तरह मदद करते हैं?

उत्तरः हम हर साल लगभग 50 बच्चों को गोद लेते हैं—खासकर वे जो प्रतिभाशाली हैं लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर हैं। मैं अपनी संसद की सैलरी भी छात्रवृत्ति फंड में डालता हूं और स्वयं भी बराबर राशि जोड़ता हूं।

अगर किसी बच्चे का नीट या किसी व्यावसायिक कोर्स में चयन हो जाता है लेकिन वह फीस नहीं दे सकता, तो हम उसकी पूरी फीस देते हैं। इस समय हम 5 डॉक्टर, 12 इंजीनियर, कई नर्स तैयार कर रहे हैं और यहां तक कि बरनाला की एक लड़की को पायलट बना रहे हैं, जिसकी मां आंगनवाड़ी में काम करती थी। मेरा मानना है कि प्रतिभा को पैसे की वजह से रुकना नहीं चाहिए।

प्रश्नः फ्रीबी संस्कृति पर आपकी क्या राय है?

उत्तरः मैं इसके बिल्कुल खिलाफ हूं। पहले कहा जाता था कि पंजाबी कभी भिखारी नहीं बनेगा, लेकिन अगर हम मुफ्त में पैसे बांटते रहेंगे तो हम लोगों को निर्भर बना देंगे।

1000-1500 रुपये देकर आप किसी की जिंदगी नहीं बदल सकते। दो-तीन महीने चल जाएंगे, उसके बाद क्या? अगर हम उसी पैसे से उन्हें सिलाई मशीन दें, स्वयं सहायता समूह बनाएं, फुलकारी सिखाएं, खाद्य प्रसंस्करण सिखाएं—तो वे खुद कमाएंगे और आगे बढ़ेंगे। सशक्तिकरण जरूरी है, न कि फ्रीबी।

प्रश्नः आपने कोविड और बाढ़ के दौरान क्या काम किया?

उत्तरः कोविड के समय पंजाब में ऑक्सीजन की बहुत कमी थी। हमने वर्ल्ड पंजाबी ऑर्गेनाइजेशन के 22 चैप्टर सक्रिय किए और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मंगवाए। हमारे पास 1000 से ज्यादा कंसंट्रेटर आ गए। फिर हमने 2200 बड़े ऑक्सीजन सिलेंडर चीन और मध्य पूर्व से एयरलिफ्ट करवाए और पूरे पंजाब में पहुंचाए। ऑक्सीजन प्लांट भी लगवाए। बाढ़ के दौरान हमने 27 गांव गोद लिए—नावें, एंबुलेंस, चारा सब भेजा। खुद कई दिनों तक पानी में जाकर काम किया। 1800-1900 एकड़ जमीन से पानी निकलवाया, पाइपलाइन लगवाई ताकि किसान फिर से बुवाई कर सकें। यह सब इसलिए क्योंकि मेरा मानना है—अगर पंजाबी पंजाबी का साथ नहीं देगा, तो कौन देगा?

प्रश्नः आप संस्कृति और विरासत को कैसे बढ़ावा दे रहे हैं?

उत्तरः हमने कई बड़े लाइट एंड साउंड शो बनाए—'बोले सो निहाल', 'सरबंस दानी', महाराजा रणजीत सिंह पर प्रोजेक्ट्स। 500 से ज्यादा शो विदेशों में किए। दिल्ली के बंगला साहिब में आधुनिक संग्रहालय बनाया, होलोग्राफिक ऑडिटोरियम बनाया और संसद में महाराजा रणजीत सिंह की 32 फुट ऊंची प्रतिमा लगवाई। अमृतसर में हेरिटेज स्ट्रीट का पुनर्निर्माण भी करवाया।

हम चाहते हैं कि नई पीढ़ी अपने इतिहास को आधुनिक तरीके से समझे और उससे जुड़े।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 पंचकूला पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज को .....

दिल्ली से चंडीगढ़ सिर्फ 2:15 घंटे में, बड़ा एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट होने वाला है पूरा

चंडीगढ़/यूटर्न/19 मई। दिल्ली और चंडीगढ़ के बीच सड़क से सफर अब काफी तेज हो सकता है, क्योंकि एक बड़े एक्सप्रेसवे कॉरिडोर पर काम लगभग पूरा होने वाला है। दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, और उससे जुड़ा हाईवे नेटवर्क, जब पूरी तरह चालू हो जाएगा, तो इन दोनों शहरों के बीच सफर का समय मौजूदा 5-6 घंटे से घटकर लगभग दो घंटे रह जाने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस कॉरिडोर के ज्यादातर हिस्से 2026 के आखिर से मार्च 2027 के बीच अलग-अलग चरणों में खुलने की संभावना है। चंडीगढ़ पहुँचने के लिए, यात्री दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे से ट्रांस-हरियाणा एक्सप्रेसवे पर अंबाला की तरफ मुड़ेंगे, जो सीधे चंडीगढ़ इलाके तक जाता है।

भारत के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट्स में से एक

दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे देश के सबसे बड़े हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से एक है और इसे लगभग 38,905 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाया जा रहा है। तेज रफ़्तार सफर के लिए डिजाइन किया गया यह कॉरिडोर गाड़ियों को 120 kmph तक की रफ़्तार से चलने की सुविधा देगा, जिससे उत्तरी भारत के कई राज्यों में तेज और आसान कनेक्टिविटी मिलेगी, जैसा कि कई न्यूज चैनलों ने बताया है।

दिल्ली-चंडीगढ़ सफर के लिए नया रूट प्लान

नए कनेक्टिविटी प्लान के तहत, दिल्ली से चंडीगढ़ जाने वाले यात्री सबसे पहले द्वारका एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करेंगे, जिसके बाद वे अर्बन एक्सटेंशन रोड और कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे से जुड़ेंगे। इसके बाद गाड़ियां दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे पर आ जाएंगी और ट्रांस-हरियाणा एक्सप्रेसवे से होते हुए अंबाला और चंडीगढ़ की तरफ आगे बढ़ेंगी। अधिकारियों का मानना है कि यह इंटीग्रेटेड एक्सप्रेसवे नेटवर्क सफर के समय को काफी कम कर देगा और मौजूदा नेशनल हाईवे पर ट्रैफि क का दबाव भी कम करेगा।

दिल्ली-कटरा का सफर अब और छोटा होगा

चंडीगढ़ तक कनेक्टिविटी बेहतर करने के अलावा, इस प्रोजेक्ट से पंजाब और जम्मू-कश्मीर तक के सफर में भी बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। पूरा होने के बाद, दिल्ली से अमृतसर का सफर लगभग चार घंटे में पूरा होने की उम्मीद है, जबकि दिल्ली और कटरा के बीच का सफर लगभग 14 घंटे से घटकर लगभग छह घंटे रह सकता है। इस कॉरिडोर से उत्तरी भारत में धार्मिक जगहों, टूरिस्ट सेंटर्स और इंडस्ट्रियल इलाकों तक पहुँचने में आसानी होने की उम्मीद है।

जमीन और मौसम से जुड़ी दिक्कतों के कारण हुई देरी

इस प्रोजेक्ट को पहले पंजाब के कई हिस्सों में जमीन अधिग्रहण से जुड़ी चुनौतियों के कारण रुकावटों का सामना करना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी बाढ़ और खराब मौसम की वजह से निर्माण कार्य प्रभावित हुआ था। इन देरी के बावजूद, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों ने बताया है कि हाल के महीनों में निर्माण कार्य ने फिर से रफ़्तार पकड़ ली है। अब पूरे कॉरिडोर को मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इसके कई अहम हिस्से पहले ही पूरे होने के करीब हैं।

पंजाब के जनगणना डायरेक्टर को नोटिस, एनसीएससी ने जनगणना सूची में जातिसूचक शब्दों पर मांगा जवाब

मोहाली/यूटर्न/19 मई। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) ने आगामी जनगणना कार्यों के लिए तैयार की गई आधिकारिक सूची में जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल का संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पंजाब के जनगणना संचालन निदेशक को नोटिस जारी किया है। आयोग ने नोटिस में पूछा है कि सरकारी दस्तावेजों में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल क्यों किया गया और इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है। मामले के सामने आने के बाद सामाजिक संगठनों और दलित समुदाय में नाराजगी देखी गई थी। आयोग ने संबंधित अधिकारियों से तय समय के भीतर जवाब मांगा है। साथ ही यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि भविष्य में इस तरह की भाषा के इस्तेमाल को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे।

आप नेता दीपक सिंगला पंचकूला अदालत में पेश, ईडी रिमांड की मांग

चंडीगढ़/यूटर्न/19 मई। आम आदमी पार्टी के नेता दीपक सिंगला को मंगलवार को पंचकूला अदालत में पेश किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें कथित बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया है। ईडी की टीम अदालत से पूछताछ के लिए रिमांड मांग सकती है। जानकारी के अनुसार, ईडी की दिल्ली टीम ने सोमवार को दिल्ली, गोवा और चंडीगढ़ समेत कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इसी दौरान चंडीगढ़ के सेक्टर-36 स्थित दीपक सिंगला से जुड़े ठिकाने पर भी कार्रवाई की गई। टीम ने कई घंटों तक दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की जांच की। छापेमारी के दौरान ईडी ने सेक्टर-36 स्थित कोठी से दो फाइलें, कुछ डिजिटल डिवाइस और एक पेन ड्राइव कब्जे में ली है। एजेंसी अब जब्त किए गए दस्तावेजों और डिजिटल डाटा की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक मामला कथित बैंक फ्रॉड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क की जांच से संबंधित बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि ईडी लंबे समय से इस मामले की जांच कर रही थी। इससे पहले वर्ष 2024 में भी एजेंसी ने बैंक फ्रॉड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दीपक सिंगला के आवास पर तलाशी अभियान चलाया था। गौरतलब है कि दीपक सिंगला वर्ष 2020 और 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में विश्वास नगर सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार रह चुके हैं।

माहिलपुर पुलिस की ओर से चोरीशुदा वाहनों सहित आरोपी गिरफ्तार/इंस्पेक्टर रमनदीप कौर

गिरफ्तार आरोपियों से 7 मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की गई : इंस्पेक्टर रमनदीप कौर

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/19 मई। राज्य सरकार के दिशा निदेर्शो पर पुलिस के उच्च अधिकारियों के नेतृत्व में समाज विरोधी अनसरो के खिलाफ शुरू की गई मुहिम के अंतर्गत पुलिस जिला प्रमुख संदीप कुमार मलिक, डी एस पी गढ़शंकर दलजीत खख थाना प्रभारी माहिलपुर इंस्पेक्टर रमनदीप कौर के आदेशो पर ए एस आई रछपाल सिंह अपनी पुलिस पार्टी के साथ गांव टूटोमजारा के समीप ड्यूटी पर थे तो उन्हें सूचना मिली के श्रेत्र

में मोटरसाइकल चोरी करने वाले साहिल उर्फ शा पुत्र विक्रमजीत विवेक उर्फ बब्बू पुत्र मनोज कुमार,वंश कुमार पुत्र मनोज कुमार निवासी गांव विलरों,हरिंदर सुमन उर्फ इंदर पुत्र निर्मल दास निवासी वार्ड नंबर 13 मोहल्ला जोड़ा गढ़शंकर अलग अलग दो मोटरसाइकिलों पर घूम रहे है अगर उनकी तलाश की जाए तो वह लोग चोरी शुदा मोटोसाइकिलों सहित गिरफ्तार हो सकते है पुलिस की ओर से तुरंत कार्यवाही करते हुए सूचना के आधार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 7 मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद कर अगली पूछ ताश की जा रही है.

मान सरकार राज्य के खेल माहौल को बदलने के लिए प्रतिबद्ध : विधायक सुखानंद

जालंधर, 19 मई । पंजाब बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से रायजादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम में 4 दिवसीय पंजाब स्टेट सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूनार्मेंट का शुभारंभ किया गया। यह प्रतियोगिता 22 मई तक चलेगी, जिसमें राज्य के 23 जिलों से करीब 400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। टूनार्मेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं पंजाब बैडमिंटन एसोसिएशन के प्रधान विधायक अमृतपाल सिंह सुखानंद ने किया। इस

अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशों से दूर रखने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने बताया कि राज्य का खेल बजट 350 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1791 करोड़ रुपये किया गया है, जो सरकार की खेलों के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। पंजाब बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव रितिन खन्ना ने बताया कि टूनार्मेंट में अंडर-15 और अंडर-17 वर्ग के 10 इवेंट्स में लगभग 500 मैच खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबले 22 मई को होंगे, जिनमें विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।

Happy Birthday

Sumit Sharma

मुख्य खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, छिपी भूख से लड़ने पर जोर

नई दिल्ली, 19 मई। भारत में छिपी भूख और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से निपटने के लिए टेक्नोसर्व द्वारा संचालित मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन ने CII फूड एंड एग्रीकल्चर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उक्क ऋ्रअउए) के सहयोग से इंडिया हैबिटेट सेंटर में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में सरकार, उद्योग जगत, मिलर्स और पोषण विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चावल, गेहूं के आटे और खाद्य तेल जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन को बड़े स्तर पर बढ़ावा देना और इसके लिए एक व्यावहारिक रोडमैप तैयार करना रहा। चर्चा के दौरान उद्योग सहयोग, उपभोक्ता जागरूकता, गुणवत्ता मानकों और फोर्टिफाइड उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। टेक्नोसर्व के मोनोजित इंद्रा ने कहा कि भारत में फोर्टिफिकेशन के क्षेत्र में प्रगति हुई है, लेकिन छिपी भूख से निपटने के लिए मजबूत सहयोग आवश्यक है। वहीं अभिषेक शुक्ला ने इसे पोषण सुरक्षा के लिए परिवर्तनकारी कदम बताया।

सम्मेलन में FSSAI, CII और कई प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विशेषज्ञों ने फोर्टिफिकेशन को केवल नीति नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय उद्योग आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन सहयोग और क्षमता निर्माण को मजबूत करने की प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

नामांकन वापसी के बाद साफ हुई चुनावी तस्वीर, जीरकपुर के 31 वार्डों में 124 प्रत्याशी मैदान में

जीरकपुर/यूटर्न/19 मई। नगर परिषद चुनाव को लेकर जीरकपुर में चुनावी सरगर्मियां अब चरम पर पहुंच गई हैं। मंगलवार को नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। कुल 212 वैध नामांकन पत्रों में से 88 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए, जिसके बाद अब शहर के 31 वार्डों में 124 उम्मीदवार चुनावी मैदान में रह गए हैं। राजनीतिक समीकरणों पर नजर डालें तो आम आदमी पार्टी और शिरोमणि अकाली दल ने सभी 31 वार्डों में अपने प्रत्याशी उतारे हैं। वहीं कांग्रेस ने 28 और भारतीय जनता पार्टी ने 24 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। इसके अलावा 10 निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनावी मुकाबले को रोचक बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। चुनावी जानकारों के मुताबिक पांच-छह वार्डों को छोड़कर अधिकांश सीटों पर आम आदमी पार्टी, अकाली दल, कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा चतुष्कोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है। ऐसे में हर वोट उम्मीदवारों के लिए निर्णायक साबित होगा। नामांकन वापसी के बाद चुनाव प्रचार अभियान ने भी जोर पकड़ लिया है। विभिन्न राजनीतिक दल डोर-टू-डोर जनसंपर्क, नुक्कड़ सभाओं और स्थानीय बैठकों के जरिए मतदाताओं तक पहुंचने में जुट गए हैं।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

जीवन की दौड़ और अधूरा सुकून

आज का इंसान पूरी जिंदगी दूसरों को खुश करने में लगा रहता है। कोई अपने परिवार के लिए दिन-रात मेहनत करता है, कोई समाज में सम्मान पाने के लिए अपनी इच्छाओं को दबा देता है। इस भागदौड़ में हम अपनी सबसे कीमती चीज अपनी सेहत और अपने सपनों को पीछे छोड़ देते हैं। हम सोचते हैं कि अभी मेहनत कर लेते हैं, बाद में आराम और खुशी से जी लेंगे। लेकिन यह बाद में अक्सर कभी नहीं आता। इंसान जवान उम्र में अपने मन की बातें, शौक और खुशियां त्याग देता है। वह उन लोगों के लिए सब कुछ करता है जिन्हें कई बार उसकी मेहनत और त्याग की कदर भी नहीं होती। धीरे-धीरे शरीर थकने लगता है, बीमारियां घेर लेती हैं और उम्र ढल जाती है। तब इंसान पीछे मुड़कर देखता है और उसे एहसास होता है कि उसने अपने लिए तो कभी जिया ही नहीं।

बुढ़ापे में सबसे बड़ा दुख यह नहीं होता कि हमारे पास क्या नहीं है, बल्कि यह होता है कि हमने अपने दिल की बातें कभी पूरी ही नहीं कीं। इसलिए जिंदगी में दूसरों के साथ-साथ खुद की खुशी, स्वास्थ्य और सपनों को भी महत्व देना बहुत जरूरी है। तभी जीवन सच में संतुलित और सुखद बन सकता है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या पत्नी ससुराल के घर में रहने का अधिकार रखती है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

वैवाहिक विवादों में अक्सर यह प्रश्न उठता है कि क्या पत्नी को ससुराल के घर में रहने का कानूनी अधिकार है। Domestic Violence कानून के तहत, महिला को kshared householdl में रहने का अधिकार दिया गया है। इसका अर्थ है वह घर जहां पति-पत्नी वैवाहिक जीवन के दौरान साथ रहे हों।

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह जरूरी नहीं कि घर पत्नी के नाम पर हो। कुछ परिस्थितियों में, भले ही घर पति या ससुराल पक्ष के नाम पर हो, महिला अदालत से residence rights की मांग कर सकती है। हालांकि, हर मामले में यह अधिकार स्वतः और समान रूप से लागू नहीं होता। अदालत यह देखती है कि वह वास्तव में shared household था या नहीं, और मामले की परिस्थितियां क्या हैं।

यदि महिला को जबरन घर से निकाला जाता है या रहने से रोका जाता है, तो वह अदालत से Residence Order प्राप्त कर सकती है। दूसरी ओर, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हर संपत्ति पर पत्नी स्वामित्व (ownership) का दावा नहीं कर सकती। Residence Right और ownership दोनों अलग-अलग कानूनी अवधारणाएं हैं। कई लोग रहने के अधिकार को संपत्ति में हिस्सेदारी समझ लेते हैं, जबकि दोनों का कानूनी अर्थ अलग है।

निष्कर्ष: पत्नी को shared household में रहने का कानूनी संरक्षण मिल सकता है, लेकिन यह residence right होता है, न कि हर स्थिति में ownership right. अदालत प्रत्येक मामले को उसकी परिस्थितियों के आधार पर तय करती है।

युवराज छाबड़ा को एलएल.एम. में प्रथम श्रेणी, कानूनी शिक्षा में बड़ी उपलब्धि

लुधियाना//यूटर्न/19 मई। यूसीपीएमए (UCPMA) एसोसिएशन के प्रधान एवं लकी एक्सपोर्ट के सीएमडी हरसिमरजीत सिंह लक्की के पुत्र युवराज छाबड़ा ने शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। युवराज छाबड़ा को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा क्रिमिनल लॉ में विशेषज्ञता के साथ दूसरी एलएल.एम. (LLM) डिग्री प्रथम श्रेणी में प्रदान की गई है।

युवराज छाबड़ा इससे पूर्व भी विधि शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं और उन्होंने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली से कानून की पढ़ाई पूरी की थी। उनकी यह नई उपलब्धि उनके

शैक्षणिक समर्पण, मेहनत और कानून के क्षेत्र में गहरी समझ को दर्शाती है।

परिवार और उद्योग जगत में इस सफलता को लेकर खुशी का माहौल है। उनके पिता हरसिमरजीत सिंह लक्की ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि युवराज ने लगातार मेहनत से परिवार का नाम रोशन किया है। कानूनी शिक्षा के क्षेत्र में उनकी यह उपलब्धि युवा छात्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत मानी जा रही है।

शादी करने से इंकार करने पर महिला सिंगर की हत्या, पहले किडनैप किया, फिर मर्डर कर लाश नहर में फेंकी

एनआरआई युवक व उसके साथियों पर परिवार ने लगाए आरोप

लुधियाना/यूटर्न/19 मई। लुधियाना में एक महिला सिंगर द्वारा शादी करने से इंकार करने पर एक एनआरआई युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर महिला को पहले किडनैप कर लिया। फिर उसकी हत्या कर लाश नहर में फेंक दी। हत्या के बाद आरोपी वापिस कैनेडा भाग गया। छह दिन लड़की लापता रही। जिसके बाद अब उसकी लाश नीलो नहर से बरामद हुई है। महिला की पहचान सिंगर इंदर कौर उर्फ यशइंदर कौर (29) की हत्या कर दी गई। परिवार ने कहा कि मोगा का रहने वाला व्यक्ति जबरदस्ती शादी करने का दबाव बना रहा था। मना करने पर उसने किडनैप कर लिया था। इंदर के माता-पिता और दो भाई कोरिया में रहते हैं। जबकि उसका एक भाई लुधियाना के जमालपुर में रहता है।

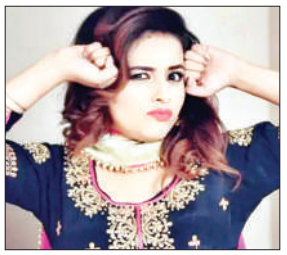

मृतक यशइंदर कौर की फाइल फोटो

आरोपी सुखविंदर सिंह अपने परिवार के साथ

5 साल पहले इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती

पांच साल पहले इंदर कौर ने सिंगिंग छोड़ दी थी और अब बुटीक व मेकअप आर्टिस्ट का काम करती थी। इंदर और आरोपी सुखविंदर की इंस्टाग्राम पर पिछले 5 साल से दोस्ती थी। वो घर आता था। उसका कनाडा में कंस्ट्रक्शन का काम था। जब पता चला कि वो शादीशुदा है, तो फिर बहन ने शादी से इनकार कर दिया। 13 मई को आखिरी बार 10 बजे रात को इंदर कौर से बात हुई। उसने कहा कि मैं घर आ रही हूं। उसके बाद उसका फोन बंद हो गया।

बाजार से ग्रॉसरी लेने गई थी

सिंगर के भाई जोतइंदर सिंह ने कहा कि इंदर कौर 13 मई को करीब साढ़े 6 बजे अपनी सफेद रंग की फोर्ड फिगो कार लेकर बाजार से घर का राशन-पानी (ग्रॉसरी) लेने निकली थी, लेकिन वह वापस घर नहीं लौटी। जब लड़की वापस नहीं आई, तो परिवार वालों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश शुरू की। उनका आरोप है कि 13 मई की रात को सुखविंदर सिंह उर्फ सुक्खा, उसके पिता प्रीतम सिंह, उसके दोस्त करमजीत सिंह और कुछ अन्य अज्ञात साथियों ने मिलकर यशइंदर कौर को गनपॉइंट पर जान से मारने की नीयत से पिस्तौल दिखा अगवा कर लिया। आरोपी कनाडा से नेपाल के रास्ते पंजाब आया था और फिर उसी रास्ते से भाग निकला।

ऑस्ट्रेलिया में लुधियाना की स्टूडेंट लड़की की हादसे में मौत

लुधियाना/यूटर्न/19 मई। लुधियाना के हलवारा के पास स्थित गांव कलसियां की रहने वाली एक 19 वर्षीय छात्रा की ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर एक सड़क हादसे में मौत हो गई। कोमलप्रीत कौर नर्सिंग की पढ़ाई के साथ पार्टटाइम नौकरी कर रही थी। घटना के बाद से पंजाब में उनके परिवार में शोक है। उनके पिता अमरीक सिंह रिटायर्ड सूबेदार हैं। जानकारी के अनुसार कोमलप्रीत कौर शनिवार देर रात अपनी नाइट ड्यूटी खत्म करके पैदल अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान कैनिंगवेल इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कोमलप्रीत की मौके पर ही जान चली गई। कोमलप्रीत कौर को शनिवार रात करीब 11:30 बजे जॉन स्ट्रीट के पास, अल्बानी हाईवे पर बेंटले प्लाजा कार पार्किंग में एक नीली हुंडई 30 हैचबैक ने टक्कर मार दी थी। पुलिस ने बताया कि युवती को गंभीर चोटें आईं और उसे एम्बुलेंस से रॉयल पर्थ अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई।

लुधियाना में सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित

लुधियाना/यूटर्न/19 मई। स्पोर्ट्स, फिजिकल एजुकेशन, फिटनेस एंड लीजर सेक्टर स्किल्स काउंसिल ने इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन के सहयोग से मिनी गुरु नानक भवन में बच्चियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में डीसी हिमांशु जैन मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान आईआरएफसी एवं एसपीईएफएल-एससी के अधिकारी और प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना, आत्मविश्वास विकसित करना तथा आत्मरक्षा कौशल को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के तहत लुधियाना जिले के 20 सरकारी स्कूलों की कक्षा 8वीं से 12वीं तक की छात्राओं को आत्मरक्षा की बुनियादी तकनीकों, परिस्थिति की समझ, व्यक्तिगत सुरक्षा और आत्मविश्वास बढ़ाने संबंधी विशेष प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम प्रशिक्षण श्रृंखला के सफल समापन का प्रतीक रहा, जिसमें छात्राओं, शिक्षकों, प्रशिक्षकों और आमंत्रित अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने प्रशिक्षण में सीखी गई विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का लाइव प्रदर्शन भी किया। अपने संबोधन में डीसी हिमांशु जैन ने बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण पर केंद्रित इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और जागरूकता भी बढ़ाता है।

BCM आर्या इंटरनेशनल ने कैम्ब्रिज बोर्ड के परिणामों के साथ वैश्विक स्तर पर लहराया परचम

लुधियाना/यूटर्न/19 मई। बीसीएम आर्या इंटरनेशनल ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के एक अग्रणी संस्थान के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत किया है। स्कूल ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कैम्ब्रिज आईजीसीएसई, एएस और ए-लेवल परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन किया है। ये असाधारण परिणाम छात्रों के अथक समर्पण, शिक्षकों के अटूट मार्गदर्शन और स्कूल के अनुशासन की गहरी संस्कृति का प्रमाण हैं। आईजीसीएसई श्रेणी में, स्कूल ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर छुआ, जहाँ छात्रों ने कुल मिलाकर 58 एएस और ए ग्रेड हासिल किए। शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले

छात्र हृदय सिंघल, सवनय सूद, देव सिद्धार्थ मित्तल, हरपवित सिंह, रोहितास सूद, धैर्य आद्या, पॉशली कंसल हैं। वहीं उत्कृष्ट ए-ग्रेड प्राप्तकर्ता में रिजाक्रीत कौर, भवनिमत कौर, इंद्रजीत बंसल, ओजस सिंह ढिल्लों, नंदिता घोष, हुनरवीर सिंह, उत्सव सचदेवा, कनव मेहरा, कुंवर प्रताप प्रभाकर के नाम शामिल हैं। वहीं उच्चतर माध्यमिक गौरव एएस और ए-लेवल वरिष्ठ छात्रों के बैच ने वैश्विक मानकों के अनुरूप अपनी बेहतरीन शैक्षणिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

एएस-लेवल का उत्कृष्ट प्रदर्शन में दिष्टि गुप्ता, जयप्रभ कौर लोटे, श्री शर्मा, तवलीन कौर के नाम शामिल हैं। वहीं ए-लेवल में ग्रवलीन कौर, जैजलीन सुहावी सिंह भुई, तन्वी महाजन, मृगा जैन के नाम शामिल हैं। स्कूल अध्यक्ष राकेश जैन ने कहा कि शैक्षणिक सफलताएँ एक उज्ज्वल भविष्य की सीढ़ी हैं, लेकिन हमारा अंतिम लक्ष्य दयालु मार्गदर्शक और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक तैयार करना है।

स्कूल सचिव कैप्टन वी.के. स्याल जी और निदेशक डॉ. परमजीत कौर ने छात्रों की निरंतर कड़ी मेहनत की सराहना की और समझदार वैश्विक शिक्षार्थी तैयार करने के प्रति शिक्षकों की गहरी प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. जसनीव सेठ ने संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता की निरंतर विरासत पर अत्यधिक गर्व व्यक्त किया।

चलती ट्रेन से गिरकर 39 वर्षीय व्यक्ति की मौत, डेराबस्सी-अंबाला-कालका रेलमार्ग पर हादसा, रेलवे पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

डेराबस्सी/यूटर्न/19 मई।

डेराबस्सी-अंबाला-कालका रेलमार्ग पर रविवार देर शाम एक दर्दनाक हादसे में चलती ट्रेन से गिरकर 39 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान शिव कुमार यादव पुत्र लाल प्रताप यादव निवासी गांव नोबसता, तहसील रानीगंज, थाना देहलुपुर, जिला प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। वह वर्तमान में मकान नंबर 585, माधव कॉलोनी, खुड्डा अली शेर, चंडीगढ़ में रह रहा था। जानकारी के अनुसार रविवार शाम रेलवे पुलिस को सूचना मिली कि डेराबस्सी के समीप रेलवे ट्रैक के किनारे एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है।

सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। रेलवे पुलिस के घग्गर स्टेशन इंचार्ज गुरजिंदर सिंह ने बताया कि शव को डेराबस्सी सिविल अस्पताल भेजा गया था। अगले दिन मृतक की शिनाख्त हो पाई। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 194 के तहत कार्रवाई दर्ज की है। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

डेराबस्सी की सियासत में बड़ा उलटफेर, वोटिंग से पहले नेताओं की बदल रही वफादारियां

सुबह अकाली दल, शाम कांग्रेस! चुनावी मौसम में तेजी से बदल रहे राजनीतिक समीकरण

- डेराबस्सी की जनता ले रही चटकारे, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं 'दल-बदल' की तस्वीरें
- चुनावी रण में मची हलचल, टिकट से ज्यादा चचाओं में पार्टी बदलने वाले चेहरे

डेराबस्सी/यूटर्न/19 मई। नगर परिषद चुनावों के लिए मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे डेराबस्सी हलके की राजनीति में जबरदस्त उथल-पुथल देखने को मिल रही है। चुनावी मैदान में प्रचार के साथ-साथ नेताओं और कार्यकताओं के दल बदलने का सिलसिला भी तेज हो गया है। हलके में कई जगहों पर ऐसे दृश्य सामने आ रहे हैं जहां कुछ लोग सुबह एक पार्टी के मंच पर दिखाई दे रहे हैं और कुछ ही घंटों बाद दूसरी पार्टी का दामन थामते नजर आ रहे हैं। कहीं अकाली दल से कांग्रेस में शामिल होने की चर्चा है तो कहीं दूसरी पार्टियों के नेता नए राजनीतिक ठिकाने तलाश रहे हैं। इस चुनावी मौसम में बदलते राजनीतिक समीकरणों ने जनता के बीच खूब चर्चा बटोरी है। लोग इसे लेकर अपने-अपने अंदाज में प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर नेताओं की अलग-अलग पार्टियों के साथ तस्वीरें, पोस्ट और मजेदार मीम्स तेजी से वायरल हो रहे हैं। हलके के लोग भी इस सियासी उठापटक पर जमकर मजे लेते दिखाई दे रहे हैं। चाय की दुकानों से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक एक ही चर्चा चल रही है कि आखिर चुनाव से पहले यह राजनीतिक फेरबदल किस करवट बैठेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि चुनाव के अंतिम चरणों में इस तरह की हलचल आम बात होती है, लेकिन डेराबस्सी में इस बार जो तेजी देखने को मिल रही है, उसने चुनावी मुकाबले को और ज्यादा दिलचस्प बना दिया है।

पंजाब सूचना आयोग का सख्त रुख: पेश न होने पर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ जारी होगा 'जमानती वारंट'

मामला थाने के सामने धरने पर बैठे पीड़ितों पर पुलिस प्रताड़ना का

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/19/मई। अवैध हिरासत और बर्बरता के एक गंभीर मामले में कार्रवाई रिपोर्ट (Action Taken Report) दाखिल न करने और सुनवाई से नदारद रहने पर मुख्य सूचना आयुक्त, पंजाब ने लुधियाना (ग्रामीण) पुलिस के आला अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है।

आयोग ने सख्त लहजे में चेतावनी नोटिस जारी करते हुए कहा है कि यदि अगली सुनवाई पर अधिकारी पेश नहीं हुए, तो उनके खिलाफ 'जमानती वारंट' जारी कर दिया जाएगा।

गौरतलब है कि आपराधिक मामले में एफआईआर (FIR) दर्ज कराने की मांग को लेकर पीड़ित परिवार और कई जन-संगठन पिछले चार साल से थाने के सामने अनवरत धरने पर बैठे हैं। इस मामले में कीर्ति किसान यूनियन के नेता सुखदेव सिंह चकर, दशमेश किसान मजदूर यूनियन के सोहन सिंह सबद्दी, मजदूर संघर्ष कमेटी के अध्यक्ष भरपूर सिंह छज्जावाल, मजदूर सभा के सचिव निर्मल सिंह धालीवाल और सत्कार कमेटी के अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ढोलन ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

किसान नेताओं का कहना है कि: उच्च स्तरीय जांच रिपोर्टों और राज्य व केंद्रीय आयोगों की स्पष्ट सिफारिशों के बावजूद पुलिस अधिकारी जानबूझकर कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं और पीड़ितों को न्याय देने से इनकार कर रहे हैं।

ईटीओ सुसाइड केस में विजिलेंस की पूर्व महिला एसपी व कारोबारी को तीन साल की सजा

मोहाली/यूटर्न/19 मई। करीब 15 साल पुराने आबकारी एवं कराधान अधिकारी (ETO) रणजीत सिंह आत्महत्या मामले में आज 19 मई को मोहाली की जिला अदालत ने अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने इस मामले में पंजाब पुलिस की पूर्व विजिलेंस एसपी अमनदीप कौर और व्यवसायी राजिंदर सिंह गोपी को दोषी करार देते हुए 3-3 साल के कठोर कारावास (बामशक्कत कैद) की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों को भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और 120-बी (अपराधिक साजिश) के तहत दोषी पाया। अदालत ने माना कि इन दोनों ने मिलकर ईटीओ रणजीत सिंह को रिश्वत के झूठे मामले में फंसाया था, जिसके कारण वे गहरे मानसिक तनाव में चले गए और अंततः उन्होंने आत्महत्या कर ली। जबकि मामले के सह-आरोपी परमजीत सिंह को अदालत ने बरी कर दिया है, दो अन्य आरोपियों की सुनवाई के दौरान ही मौत हो चुकी है।

श्री हनुमान मंदिर हल्लोमाजरा में हरियाली तीज उत्सव धूमधाम से मनाया गया

चंडीगढ़/यूटर्न/19/मई। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्री हनुमान मंदिर हल्लोमाजरा में हरियाली तीज उत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंदिर के प्रधान विजय गोयल के नेतृत्व में आयोजित इस धार्मिक समारोह में महिलाओं ने हाथों में मेहंदी सजाकर और पारंपरिक परिधानों में लक्ष्मी स्वरूप धारण कर उत्सव की रौनक बढ़ाई। पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। महिलाओं ने झूला, गीत-संगीत और धार्मिक आयोजनों का आनंद लिया। मंदिर परिसर देर शाम तक भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा। समारोह के अंत में श्रद्धालुओं के बीच मालपुए के प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान 'राधे-राधे' और 'जय श्री श्याम' के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। मंदिर प्रबंधन समिति ने जानकारी दी कि बुधवार को मंदिर परिसर में भव्य कीर्तन एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शहरवासियों को सपरिवार शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

मानसून से पहले धनास में अमृत सरोवर परियोजना पूरी करने के निर्देश

चंडीगढ़/यूटर्न/19/मई। नगर निगम चंडीगढ़ के चीफ इंजीनियर संजय अरोड़ा ने मंगलवार को गांव धनास में विकसित किए जा रहे अमृत सरोवर परियोजना स्थल का दौरा कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ नगर निगम के सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर और पब्लिक हेल्थ विंग के संबंधित एग्जीक्यूटिव इंजीनियर भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान चीफ इंजीनियर ने परियोजना में हो रही देरी पर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार को मानसून शुरू होने से पहले सभी कार्य हर हाल में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर मौजूद फील्ड स्टाफ को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा। साथ ही पाइलिंग कार्य, वॉकवे निर्माण, केंद्रीय द्वीप (सेंट्रल आइलैंड), सार्वजनिक शौचालय, विद्युत व्यवस्था और अन्य बुनियादी ढांचे से जुड़े लंबित कार्य तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। संजय अरोड़ा ने कहा कि अमृत सरोवर परियोजना पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि अमृत 2.0 योजना के तहत विकसित की जा रही यह परियोजना प्राकृतिक जल तंत्र को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ शहर में सतत शहरी विकास और पर्यावरणीय संतुलन को बढ़ावा देगी।

वेरका कर्मचारियों की हड़ताल से संकट में डेयरी उद्योग

PDFA ने सरकार से तुरंत मामला सुलझाने को कहा, हड़ताल के कारण दूध उत्पादकों को भारी नुकसान

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/19/मई। प्रोग्रेसिव डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन (PDFA) ने 'वेरका' (Verka) के कच्चे और ठेका कर्मचारियों की चल रही हड़ताल को लेकर पंजाब सरकार को आगाह किया है। PDFA के अध्यक्ष दलजीत सिंह सद्रपुरा के बयान पर प्रेस नोट जारी करते हुए प्रेस सचिव रेशम सिंह भुल्लर ने कहा कि इस हड़ताल का सीधा और गंभीर असर पंजाब के डेयरी उद्योग और किसानों पर पड़ रहा है।

PDFA ने जहां एक ओर कर्मचारियों की मांगों को जायज बताते हुए उनका समर्थन किया है, वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों से भी भावुक अपील की है।

'कर्मचारी अपनी मांगों के लिए संघर्ष जरूर करें, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि उनके इस कदम से डेयरी व्यवसाय को कोई बड़ा नुकसान न हो।'

- प्रेस सचिव भुल्लर

वेरका: मुनाफा नहीं, किसानों और उपभोक्ताओं का रक्षक

PDFA ने वेरका संस्थान की अहमियत को रेखांकित करते हुए कहा कि यह कोई व्यावसायिक या मुनाफा कमाने वाला संस्थान नहीं है, बल्कि यह शुरू से ही दूध उत्पादकों और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करता आया है। यह संस्थान सहकारी सभाओं और डेयरी फार्मों से दूध लेकर, उसे प्रोसेस कर आम जनता तक उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद पहुंचाता है। ऐसे में इस संस्थान की अनदेखी करना सीधे तौर पर किसानों और आम जनता के पेट पर लात मारने जैसा है।

सरकार तुरंत करे हस्तक्षेप

एसोसिएशन ने सरकार से पुरजोर मांग की है कि वह बिना किसी देरी के ठेका कर्मचारियों की जायज मांगों पर गौर करे और इस गतिरोध को समाप्त करवाए, ताकि डेयरी उद्योग पर मंडरा रहा यह काला संकट टल सके।

बैठक में ये दिग्गज रहे मौजूद: इस गंभीर मुद्दे पर हुई बैठक में डेयरी क्षेत्र के कई प्रमुख चेहरे शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से: अवतार सिंह थाबला, सुखपाल सिंह वरपाल, बलविंदर सिंह चौतरा, सुखराज सिंह गुड़े, मनजीत सिंह मोही।

गुरबख्श सिंह बाजेके, कुलदीप सिंह पटियाला, निर्मल सिंह फूल, सिकंदर सिंह पटियाला, अमरिंदर सिंह बल्ल। सुखदीप सिंह फाजिल्का, दर्शन सिंह सोंडा, गुरप्रीत सिंह तरनतारन, जरनैला सिंह छीनीवाल, बलविंदर सिंह राणवा। गीतइंदर सिंह भुल्लर, सतिंदर सिंह रोपड़, बलिहार सिंह ढंडा, गुरसरन सिंह, हरदीप सिंह होशियारपुर। करमजीत सिंह मलेरकोटला, अमनदीप सिंह, जसविंदर सिंह नवांशहर, बलवीर सिंह नवांशहर, राजपाल सिंह कुलार। रंजीत सिंह लंघेआना, रेशम सिंह जीरा, कुलदीप सिंह मानसा, परमिंदर सिंह घुडाणी, सुखदेव सिंह बरौली, बलजिंदर सिंह सठियाला, सुखजिंदर सिंह घुम्मन, गुरमीत सिंह रोडे और कुलदीप सिंह शेरों आदि उपस्थित थे।

दस्तार प्रतियोगिता में जी.एच.जी. एकेडमी का दबदबा

जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में मारी बाजी

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/19/मई। सिख विरासत, संस्कृति और अदम्य उत्साह के संगम के साथ, गुरुद्वारा गुरुसर कौंके पातशाही छेवीं में एक भव्य और गरिमामयी 'पगड़ी बांधने की प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जी.एच.जी. एकेडमी के छात्रों ने अपनी कला, सटीकता और आत्मविश्वास का ऐसा हैरतअंगेज प्रदर्शन किया कि पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से सजे इस मंच पर एकेडमी के होनहारों ने जूनियर और सीनियर, दोनों ही श्रेणियों में सफलता के झंडे गाड़े।

जूनियर और सीनियर वर्ग के 'किंग' बने नवदीप और हरमीत

प्रतियोगिता में छात्रों ने पगड़ी की पारंपरिक कला को बेहद सफाई और गरिमा के साथ पेश किया। विजेताओं को उनकी इस अनूठी प्रतिभा के लिए नकद पुरस्कार, चमचमाती ट्रॉफियां और सम्मान स्वरूप पगड़ियां देकर नवाजा गया।

पंजाब और चंडीगढ़ में आज दवाइयां नहीं मिलेंगी

होलसेल-रिटेल केमिस्ट हड़ताल पर, ई-फार्मेसी कंपनियों का विरोध

मोहाली/यूटर्न/19 मई। पंजाब-चंडीगढ़ में बुधवार मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। इससे दवाई की खरीद का संकट रहेगा। पठानकोट के होलसेल एंड रिटेल केमिस्ट एसोसिएशन के महासचिव दपिंद्र अरोड़ा ने बताया कि यह हड़ताल 19 मई की आधी रात से शुरू होकर 20 मई की आधी रात तक चलेगी। इस दौरान सभी होलसेल और रिटेल केमिस्ट की दुकानें बंद रहेंगी। इमरजेंसी स्थिति में मरीजों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए जाएंगे। उन्होंने

आरोप लगाया कि ई-फार्मेसी कंपनियां भारी छूट देकर बाजार पर कब्जा करना चाहती हैं, जिससे छोटे व्यापारियों का काम बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसके साथ ही ऑनलाइन दवाओं की वैधता और स्टोरेज संबंधी मानकों पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार से मांग की है कि ऑनलाइन दवाओं की अवैध बिक्री पर तुरंत सख्त रोक लगाई जाएवहीं चंडीगढ़ में दवाओं के संकट से निपटने के लिए प्रशासन ने कई मेडिकल स्टोर और जन औषधि केंद्र खुले रखने का फैसला किया है। इस दौरान 51 मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे।

नगर परिषद चुनाव : 6 उम्मीदवारों ने वापस लिए नामांकन, अब 23 वार्डों में 100 धुरंधर मैदान में

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/19/मई।

जगरांव नगर परिषद चुनाव की सियासी बिसात पूरी तरह बिछ चुकी है। नामांकन वापसी के आखिरी दिन आज आधिकारिक तौर पर 6 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए हैं। इस बड़े उलटफेर के बाद अब जगरांव शहर के सभी 23 वार्डों के लिए चुनावी रण में कुल 100 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमाने के लिए मैदान में डटे हुए हैं।

ऐसे साफ हुई चुनावी तस्वीर (नामांकन का पूरा गणित): चुनाव को लेकर समीकरण कैसे बदले, इसे आप इस तरह समझ सकते हैं:

कुल आवेदन: चुनाव लड़ने के इच्छुक कुल 110 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे।

जांच में खारिज: 18 मई को पंजाब चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत हुई स्क्रूटनी (पड़ताल) के दौरान 4 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र नियमों के तहत रद्द कर दिए गए थे, जिससे मैदान में 106 उम्मीदवार बचे थे।

नामांकन वापसी: आज आखिरी दिन 6 और उम्मीदवारों ने अपने पैर पीछे खींच लिए, जिसके बाद अब फाइनल आंकड़ा 100 पर आकर रुक गया है।

किन उम्मीदवारों ने लिए नाम वापस: प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, इन 6 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र वापस लिए हैं:

वार्ड नंबर-1	गुरप्रीत कौर तूर	निर्दलीय (आजाद)
वार्ड नंबर-2	रछपाल सिंह	निर्दलीय (आजाद)
वार्ड नंबर-5	शालू रानी	निर्दलीय (आजाद)
वार्ड नंबर-12	मधु बाला	कांग्रेस
वार्ड नंबर-13	बलजिंदर कौर	कांग्रेस
वार्ड नंबर-14	इकबाल सिंह	कांग्रेस

क्या है इसके पीछे की सियासी रणनीति ?

अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि नाम वापस लेने वालों में जहां कुछ निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी के 'कवरिंग कैंडिडेट्स' (वैकल्पिक उम्मीदवार) भी हैं। राजनैतिक दलों ने अपने आधिकारिक और मुख्य उम्मीदवारों की स्थिति को मजबूत करने और चुनावी समीकरणों को अपने पक्ष में करने के लिए रणनीति के तहत यह कदम उठाया है। 6 उम्मीदवारों के हटने के बाद अब जगरांव नगर परिषद चुनाव की धुंध पूरी तरह छंट चुकी है। 23 वार्डों के लिए 100 उम्मीदवारों के बीच होने वाला यह मुकाबला बेहद दिलचस्प और कांटे का होने की उम्मीद है।

ट्रक में घुसी कार, 4 दोस्तों की मौत, 2 लाशें ड्राइविंग सीट पर फंसी, कटर से काटकर निकालीं

पंजाब/यूटर्न/19 मई। गुरदासपुर में नेशनल हाईवे पर मंगलवार सुबह ऑल्टो कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। इससे कार सवार 4 दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। 2 की लाशें ड्राइवर सीट पर फंस गई। लोगों के अनुसार हादसे के दौरान जोरदार धमाका हुआ। इसके बाद सुबह पुलिस को बुलाया गया, फिर लाशों को बाहर निकालने के लिए कार की बॉडी को कटर से काटा गया। शवों को निकालने में डेढ़ घंटे का समय लग गया। सभी एक दूसरे से चिपके हुए मिले।पुलिस जांच के अनुसार, तीन युवक हिमाचल प्रदेश के एक निजी नशा मुक्ति केंद्र से रात को ही फरार हुए थे। केंद्र से भागने के बाद उन्होंने पठानकोट में रहने वाले चौथे दोस्त को कार समेत साथ लिया, जिसके बाद तड़के करीब 4 बजे यह हादसा हो गया।

जगरांव में AAP उम्मीदवार के कागजात रद्द होने की चर्चाओं के बीच विधायिका मानूके ने दी सफाई

सुखविंदर सिंह बीला नाम को लेकर सोशल मीडिया पर चलीं अफवाहें

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/19/मई। बीती कल नगर परिषद चुनाव के संबंध में नामांकन पत्रों की जांच के दौरान 4 उम्मीदवारों के कागजात रद्द किए जाने के बाद जगरांव शहर में विभिन्न चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रद्द हुए उम्मीदवारों में एक आम आदमी पार्टी से संबंधित और तीन निर्दलीय उम्मीदवार शामिल बताए गए हैं। इंजीनियर रवि कुमार, आर.ओ. नगर परिषद इलेक्शन जगरांव द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, जांच प्रक्रिया के दौरान जिन 4 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द किए गए, उनमें से एक उम्मीदवार का नाम सुखविंदर सिंह बीला बताया गया था, जिसे आम आदमी पार्टी से संबंधित बताया जा रहा है।

इसके बाद शहर और सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं और पोस्ट सामने आने लगीं। कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर यह अनुमान भी लगाया जाने लगा कि यह नाम जगरांव निर्वाचन क्षेत्र की विधायिका बीबी सरबजीत कौर मानूके के पति से जुड़ा हो सकता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,

विधायिका मानूके के पति का नाम भी सुखविंदर सिंह बीला बताया जाता है, जिसके कारण अफवाहों ने और जोर पकड़ लिया।

ध्यान देने योग्य बात: यहां यह भी बताने योग्य है कि जिस वार्ड नंबर 1 से संबंधित नामांकन पत्र रद्द होने की जानकारी सामने आई है, वह महिला आरक्षित (Reserved) वार्ड बताया जा रहा है। जब इस संबंध में हलका विधायिका बीबी सरबजीत कौर मानूके से संपर्क करके उनका पक्ष जाना गया, तो उन्होंने कहा कि वह अपने पति के अपनी पार्टी के 23 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल करवाने के लिए गई थीं, न कि अपने परिवार के किसी सदस्य का नामांकन पत्र भरने के लिए। उन्होंने कहा कि उनके पति प्रोफेसर सुखविंदर सिंह सुक्खी द्वारा किसी भी तरह का कोई नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही चचाओं को ₹पूरी तरह से झूठी और बेबुनियाद अफवाहें₹ करार देते हुए कहा कि जब वार्ड नंबर 1 महिला आरक्षित वार्ड है, तो वहां से किसी पुरुष उम्मीदवार का नामांकन पत्र दाखिल करने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

विधायिका मानूके ने अंत में कहा कि लोगों को कोई भी जानकारी साझा करने से पहले तथ्यों की पुष्टि कर लेनी चाहिए और बिना जांच-पड़ताल के अफवाहें फैलाने से बचना चाहिए। सुखविंदर सिंह बीला के नाम नामांकरण पत्र रद्द होने के बाद यह चचाओं का दौर चल पड़ा की वह विधायक के पति हैं जिनके कागज रद्द हुए हैं।

लेकिन इसकी आधिकारिक तौर पर कोई भी पुष्टि नहीं हुई है कि जी सुखविंदर सिंह बीला के नामांकन पत्र रद्द हुए हैं वह विधायक के पति हैं केवल नाम सामने आने के बाद ही अफवाहों का बाजार गर्म हो गया और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर पोस्टिंग और खबरें वायरल हो गई।

गर्मियों में यात्रियों को राहत, चंडीगढ़-वाराणसी रूट पर शुरू हुई स्पेशल ट्रेन सेवा

चंडीगढ़/यूटर्न/19 मई। गर्मी की छुट्टियों और ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए चंडीगढ़ और वाराणसी के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। इस विशेष ट्रेन के शुरू होने से पंजाब, हरियाणा और पूर्वी उत्तर प्रदेश जाने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

रेलवे विभाग के अनुसार, यह स्पेशल ट्रेन सीमित अवधि के लिए चलाई जा रही है। वाराणसी से यह ट्रेन 14 मई से 12 जुलाई तक संचालित होगी, जबकि चंडीगढ़ से ट्रेन 15 मई से 13 जुलाई तक चलेगी। रेलवे का कहना

है कि छुट्टियों के दौरान बढ़ती यात्री संख्या को संभालने के लिए यह कदम उठाया गया है।

चंडीगढ़ से समर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार सुबह 6 बजे रवाना होगी और देर रात 12:55 बजे वाराणसी पहुंचेगी। वहीं वापसी दिशा में यह ट्रेन हर गुरुवार और रविवार सुबह 11:05 बजे वाराणसी से चलेगी और अगले दिन सुबह 4:20 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी। करीब 945 किलोमीटर की यात्रा के दौरान ट्रेन अंबाला कैंट, सहारनपुर, रुड़की, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, लखनऊ, रायबरेली और प्रतापगढ़ समेत कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रुकेगी। इससे बीच के शहरों के यात्रियों को भी सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक ट्रेन में कुल 19 कोच लगाए गए हैं।

चितकारा इंटरनेशनल स्कूल में ट्रैफिक पुलिस ने छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

पंचकूला/यूटर्न/19 मई। पंचकुला ट्रैफिक पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मंगलवार को सेक्टर-28 स्थित चितकारा इंटरनेशनल स्कूल में विशेष जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को डिस्प्ले और प्रेजेंटेशन के माध्यम से यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। कार्यक्रम में ट्रैफिक पुलिस के एसपीओ रोशन लाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क पर छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। उन्होंने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, तेज रफ्तार से वाहन न चलाने और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने की सलाह दी। साथ ही विद्यार्थियों को ट्रैफिक संकेतों की पहचान और पैदल सड़क पार करने के सुरक्षित तरीकों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस दौरान ईएचसी सुबजीतम Kumar और एसपीओ रविंद्र ने भी छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया। सिटी ट्रैफिक एसएचओ वरिंदर कुमार ने कहा कि पंचकूला पुलिस समय-समय पर स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती रहती है, ताकि बच्चों में शुरू से ही यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना विकसित हो सके। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही भविष्य के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। विद्यालय प्रबंधन ने ट्रैफिक पुलिस के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया।

जगरांव के रबिगुएल अंजी ने ऑल इंडिया बैडमिंटन में गाड़े झंडे, जीता कांस्य पदक

राष्ट्रीय रैंकिंग टूनार्मेंट में अंडर-13 कैटेगरी में देश के नंबर-5 खिलाड़ी को दी कांटे की टक्कर

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/19/मई। जगरांव के उभरते हुए बैडमिंटन स्टार रबिगुएल अंजी ने राष्ट्रीय पटल पर एक बार फिर पंजाब का नाम रोशन किया है। रबिगुएल ने ऑल इंडिया सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूनार्मेंट के लड़कों के अंडर-13 सिंगल्स मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक (इ१ङ्ग्ल्लश्ी टीर्ि) अपने नाम किया है। सेमीफाइनल में बेहद रोमांचक और सांसें रोक देने वाले मुकाबले में हार के बावजूद रबिगुएल ने अपने जुझारू खेल से सभी का दिल जीत लिया।

सेमीफाइनल में दिखी देश के टॉप खिलाड़ी से 'महाटक्कर'

टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में रबिगुएल का सामना मध्य प्रदेश के खिलाड़ी और भारत के नंबर-5 रैंक होल्डर इश्मीत अरोड़ा से हुआ। कोर्ट पर दोनों खिलाड़ियों के बीच तीन सेटों तक ऐतिहासिक जंग देखने को मिली। हर एक पॉइंट के लिए दर्शकों की सांसें थमी रहीं। रबिगुएल ने गजब की बहादुरी और सूझबूझ दिखाते हुए नंबर-5 खिलाड़ी को पानी पिला दिया, हालांकि बेहद करीबी अंतर से वे 22-24, 21-19, 15-21 से मैच गंवा बैठे। इस हार के बाद भी उनके निडर खेल की तारीफ वहां मौजूद कोचों, रेफरी और खेल प्रशंसकों ने खड़े होकर की।

पंजाब में पिछले ३ साल से 'अजेय' हैं रबिगुएल

यह कांस्य पदक रबिगुएल के लगातार आगे बढ़ते करियर का एक और बड़ा मील का पत्थर है। हार्वेस्ट इंटरनेशनल स्कूल, जस्सोवाल कुलार (जगरांव) के छात्र रबिगुएल का पंजाब के जूनियर बैडमिंटन पर पूरी तरह दबदबा है। वे पिछले तीन वर्षों से राज्य स्तर पर अजेय बने हुए हैं:

साल २०२४: अंडर-11 कैटेगरी में राज्य चैंपियन बने

साल 2025 और 2026: लगातार दो साल अंडर-13 कैटेगरी का खिताब जीतकर अपनी बादशाहत कायम रखी।

एरिना एकेडमी और कोचों का मिला तराशा हुआ मार्गदर्शन

रबिगुएल की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे लुधियाना की 'एरिना बैडमिंटन एकेडमी' और उनके कोच अनुषा तिवारी व आनंद तिवारी की कड़ी मेहनत है। कोचों के कुशल मार्गदर्शन और रबिगुएल के कोर्ट पर कड़े समर्पण ने उन्हें आज राज्य के सबसे होनहार खेल सितारों की कतार में खड़ा कर दिया है।

'रबिगुएल के पास अभी लंबी उम्र है और उनके दिल में कुछ बड़ा करने का पक्का इरादा है। वे आने वाले समय में इससे भी बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चमकने के लिए तैयार हो रहे हैं। पंजाब और देश के बैडमिंटन के लिए एक नया सितारा मिल चुका है।'-कोच तिवारी

पंजाब-चंडीगढ़ में अचानक सीवियर हीटवेव का अलर्ट, भीषण लू चलेगी, धूप में न निकलने की सलाह

पंजाब/यूटर्न/19 मई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पंजाब-चंडीगढ़ में आज सीवियर हीटवेव यानी भीषण लू का अलर्ट जारी किया है। दोपहर 2 बजे जारी इस अलर्ट में कहा गया है कि इस दौरान लोग धूप में निकलने में सावधानी बरतें। भीषण गर्मी व लू से लोग हीट स्ट्रोक और गर्मी से जुड़ी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। बच्चों-बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को ज्यादा खतरा हो सकता है। लोगों को सलाह दी गई है कि ज्यादा गर्मी में बाहर निकलने से बचें और शरीर में पानी की कमी

न होने दें। प्यास लगे तो खूब पानी पिएं। ओआरएस, लस्सी, नींबू पानी और छाछ जैसी चीजें पीते रहें। बाहर निकलते वक्त हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें और सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढककर रखें।

25 मई तक चलेगी लू

इसके अलावा 25 मई तक दोनों जगहों पर लू चलने की बहुत अधिक संभावना है। इस दौरान 20-30 किमी प्रति घंटे की स्पीड से गर्म हवाएं चलेंगी। हवाओं की स्पीड 40 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती है।

ऐसे में लोगों को बाहर निकलने पर लू के थपेड़े सहने होंगे। विभाग के मुताबिक बीती रात चंडीगढ़ का टेंपरेचर नॉर्मल से 5.1 °C और पंजाब का टेंपरेचर 5.0°C तक ज्यादा रहा। इसका मतलब ये है कि अब दिन के बाद रातें भी बहुत तेजी से गर्म होती जा रही हैं। सोमवार को सबसे गर्म जिला बठिंडा रहा, जहां मैक्सिमम टेंपरेचर 47 डिग्री तक पहुंच गया है।

बब्बर खालसा से जुड़े 2 गुर्गे अरेस्ट, सरकारी संस्थानों को दहलाने की बड़ी साजिश नाकाम; 2 हैंड ग्रेनेड बरामद

अमृतसर/यूटर्न/19 मई। पंजाब पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर ने कार्रवाई करते हुए विदेशी हैंडलर्स और बब्बर खालसा इंटरनेशनल यानी बीकेआई से जुड़े 2 गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड भी बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस पार्टी ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अजय नामक युवक को गिरफ्तार किया।

आरोपी अजय, राम स्वरूप का बेटा बताया जा रहा है और वह अजनाला के बाजीगर मोहल्ला का रहने वाला है। पुलिस ने उसे अन्य साथी सहित काबू किया।

तलाशी में 2 हैंड ग्रेनेड बरामद, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

तलाशी में दोनों आरोपियों के पास से 2 हैंड ग्रेनेड बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि बरामद किए गए ये हैंड ग्रेनेड किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा थे। आरोपियों की साजिश पंजाब में सरकारी संस्थानों और इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर प्रदेश का माहौल खराब करने और कानून व्यवस्था को प्रभावित करने की थी। पुलिस का कहना है कि समय रहते कार्रवाई कर एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया गया है।

एसएसओसी अमृतसर में मामला दर्ज

इस मामले में थाना एसएसओसी अमृतसर में धारा 61(2) बीएनएस और 4/5 एक्सप्लोसिव सब्सटेंस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और आने वाले दिनों में कई अहम खुलासे हो सकते हैं। फिलहाल दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल करने की तैयारी की जा रही है ताकि मामले की गहराई से जांच की जा सके।

नामांकन पत्र रद्द किए जाने के खिलाफ अकाली दल का डीसी दफ्तर के बाहर जोरदार प्रदर्शन

बबली ढिल्लों ने पंजाब सरकार और जिला प्रशासन पर लगाए धक्केशाही के आरोप, हाईकोर्ट जाने की दी चेतावनी

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/19 मई। नगर निगम चुनावों के दौरान शिरोमणि अकाली दल के तीन उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द किए जाने के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं ने डीसी दफ्तर के बाहर जोरदार रोष प्रदर्शन किया। शिरोमणि अकाली दल के शहरी हलका इंचार्ज इकबाल सिंह बबली ढिल्लों की अगुवाई में हुए इस प्रदर्शन के दौरान अकाली कार्यकर्ताओं ने पंजाब सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और इस कार्रवाई को लोकतंत्र की हत्या करार दिया।

प्रदर्शन के दौरान इकबाल सिंह बबली ढिल्लों ने बताया कि वार्ड नंबर 15 से अजय कुमार, वार्ड नंबर 28 से बिट्टू सिंह मेहणा बस्ती और वार्ड नंबर 36 से हर्ष सैणी के नामांकन पत्र बेबुनियाद आपत्तियां लगाकर रद्द कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई आम आदमी पार्टी के दबाव में की गई है ताकि मजबूत उम्मीदवारों को चुनाव मैदान से बाहर किया जा सके।

बबली ढिल्लों ने आरोप लगाया कि बिट्टू सिंह के नामांकन पत्र इस आधार पर रद्द किए गए कि उनके खिलाफ कोर्ट केस चल रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि वह मामला अभी अमल में ही नहीं आया है। उन्होंने कहा कि यह केवल बहाना बनाकर कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि अजय कुमार के कागजात इस कारण रद्द किए गए कि उनके

साथ एससी प्रमाण पत्र संलग्न नहीं था, जबकि प्रमाण पत्र पहले ही नामांकन पत्रों के साथ लगाया गया था। इसी तरह हर्ष सैणी के नामांकन पत्रों पर यह आपत्ति लगाई गई कि उनके पिता भी चुनाव लड़ रहे हैं। बबली ढिल्लों ने कहा कि ये सभी आपत्तियां पूरी तरह बेबुनियाद हैं और कानूनी रूप से इनका कोई ठोस आधार नहीं है।

अकाली नेता ने कहा कि जिला प्रशासन ने आप सरकार के दबाव में आकर यह घिनौनी हरकत की है और लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि शिरोमणि अकाली दल इस मामले को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में लेकर जाएगा और जल्द ही रिट याचिका दायर की जाएगी।

बबली ढिल्लों ने कहा कि जिन तीन उम्मीदवारों के कागजात रद्द किए गए हैं, वे चुनाव जीतने की मजबूत स्थिति में थे। इसी कारण विरोधी पक्ष के दबाव में यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी नगर निगम में अपनी पकड़ बनाए रखने और भ्रष्टाचार जारी रखने के लिए इस प्रकार की कार्रवाइयां करवा रही है।

उन्होंने कहा कि शहर की जनता इस धक्केशाही का जवाब आने वाले चुनावों में देगी और लोकतंत्र को कुचलने वालों को सबक सिखाएगी। इकबाल सिंह बबली ढिल्लों ने यह भी कहा कि वर्ष 2027 में पंजाब में शिरोमणि अकाली दल की सरकार बनने जा रही है और उस समय ऐसी धक्केशाही करने वाले अधिकारियों को अपने किए का परिणाम भुगतना पड़ेगा।

इस मौके पर शिरोमणि अकाली दल के शहरी प्रधान गुरसेवक सिंह मान, गुरप्रीत सिंह संधू सहित पार्टी की पूरी शहरी लीडरशिप और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शनि देव मंदिर में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, नकदी और धार्मिक सामान बरामद

पंचकूला/यूटर्न/19 मई। पंचकुला पुलिस की डिटेक्टिव स्टाफ टीम ने पिंजौर क्षेत्र स्थित शनि देव मंदिर आंचल विहार में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई नकदी में से 5 हजार रुपये, तांबे का नाग और पीतल की घंटी बरामद की है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार मंदिर के देखरेखकर्ता एवं कोषाध्यक्ष ने थाना पिंजौर में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 24 अप्रैल को मंदिर पहुंचने पर एक लोहे का दानपात्र गायब मिला, जबकि दूसरे दानपात्र का ताला टूटा हुआ था। मंदिर से पीतल की घंटी और तांबे का नाग भी चोरी पाया गया।

पंचकूला पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज को भावुक विदाई, अब संभालेंगे गुरुग्राम की कमान

पंचकूला/यूटर्न/19 मई। शिवास कविराज को मंगलवार को पंचकूला पुलिस आयुक्त कार्यालय में भावभीनी विदाई दी गई। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके सम्मान में आयोजित समारोह में उनके कार्यकाल को याद करते हुए शानदार सेवाओं और नेतृत्व की सराहना की। इस दौरान अधिकारियों ने केक काटकर और फूलों के गुलदस्ते भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह में अधिकारियों ने शिवास कविराज की कार्यप्रणाली, अनुशासन और दूरदर्शी सोच की खुलकर प्रशंसा की। कई अधिकारियों ने कहा कि उनके नेतृत्व में काम करना प्रेरणादायक अनुभव रहा। समारोह के दौरान मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके साथ बिताए गए अनुभव साझा किए।

अपने संबोधन में पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज ने कहा कि उनके कार्यकाल की हर सफलता के पीछे पूरी टीम की मेहनत और समर्पण रहा है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार जताते हुए भविष्य में भी पंचकूला की कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए अहम सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि सभी यूनिट्स को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए जिले को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास जारी रखने चाहिए।

गौरतलब है कि शिवास कविराज का तबादला अब गुरुग्राम पुलिस कमिश्नर के रूप में किया गया है। उन्होंने 23 अप्रैल 2025 को दूसरी बार पंचकूला पुलिस कमिश्नर का कार्यभार संभाला था। इससे पहले भी वे इस पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

बिजली तारों के अंडरग्राउंड प्रोजेक्ट पर सियासत, जाखड़ बोले, यह टोटल फ्रॉड

लुधियाना/यूटर्न/19 मई। पंजाब में सरकार द्वारा संगरूर से शुरू किए गए बिजली की तारों को अंडरग्राउंड करने के प्रोजेक्ट पर राज्य की सियासत गरमा गई। पंजाब बीजेपी के प्रधान सुनील जाखड़ ने कहा, 'यह टोटल फ्रॉड है। इस टेंडर को लेकर मैं अलग से प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा। सीएम ने अरोड़ा साहिब की मुश्किल बढ़ा दी हैं। हम एजेंसियों से मांग करेंगे कि जांच का दायरा बढ़ाया जाए। संजीव के कार्यकाल के दौरान, चाहे वे अर्बन अफेयर्स मंत्री रहे हों या बिजली विभाग के प्रभारी, उनके समय में लिए गए सभी फैसलों की जांच होनी चाहिए।' जाखड़ ने कहा कि आज कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात करनी थी, लेकिन यह मामला बेहद गंभीर है। मैं समझता हूं कि यह टेंडर उस समय पास किया गया, जब संजीव अरोड़ा जी संबंधित विभाग में जिम्मेदारी संभाल रहे थे, और उनके कार्यकाल के दौरान ही यह प्रक्रिया पूरी हुई।

ऑपरेशन सेल और बदमाशों के बीच मुठभेड़, तीन आरोपी गिरफ्तार; विदेशी हथियार बरामद

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/19 मई। चंडीगढ़ पुलिस की ऑपरेशन सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी गैंगस्टरों डॉनी बाल और मोहब्बत रंधावा गैंग से जुड़े तीन शूटरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से ग्लॉक-26 और जिगाना समेत तीन अत्याधुनिक पिस्टल, जिंदा कारतूस और खोखे बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रभजोत सिंह , जोबनप्रीत सिंह और अजय पाल सिंह के रूप में हुई है। तीनों आरोपी कपूरथला में गैंगस्टर गुरप्रीत उर्फ गोपी निज्जर की हत्या के मामले में वांछित थे। गोपी निज्जर गैंगस्टर सुखा काहलवां मर्डर केस का आखिरी गवाह बताया जा रहा था।

जानकारी के मुताबिक 18 मई को ऑपरेशन सेल की टीम सेक्टर-43 बस स्टैंड क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि तीनों आरोपी हथियारों से लैस होकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं और कार स्नैचिंग की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने इलाके में जाल बिछाया। पुलिस टीम ने जैसे ही आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया, वे जंगल की ओर भागने लगे। इस दौरान जॉबनप्रीत को .32 बोर पिस्टल सहित काबू कर लिया गया, जबकि प्रभजोत और अजय ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने उन्हें आत्मसमर्पण के लिए चेतावनी दी, लेकिन आरोपी लगातार गोलियां चलाते रहे। एक गोली ऑपरेशन सेल के एक जवान की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी।

माहिलपुर पुलिस ने 10,000/- रुपये की ड्रग मनी और 12 किलो 708 ग्राम डोडा चूरा पोस्त बरामद कर मुकद्दमा दर्ज किया: इंस्पेक्टर रमनदीप कौर

दलजीत अजनोहा/ हुशियारपुर/यूटर्न/19 मई। पंजाब सरकार के निदेर्शों के अनुसार नशे के मामलों पर काबू पाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया है। इसी अंतर्गत श्री संदीप कुमार मालिक वद्धर, सीनियर पुलिस कप्तान, हुशियारपुर द्वारा दिए गए निदेर्शों के मार्गदर्शन में और श्री दलजीत सिंह खक्क, ढ.ढ.र., उप कप्तान पुलिस, गढ़शंकर की सहायता से इंस्पेक्टर रमनदीप कौर, मुख्य अधिकारी थाना माहिलपुर, दिनांक 17.05.2026 को गश्त और चेकिंग के संबंध में अड्डा रामपुर झंजोवाल में मौजूद थीं। तब मुखबिर ने सूचना दी कि दलजीत सिंह उर्फ मंगा पुत्र हरणाम सिंह, निवासी चक नारियल, थाना माहिलपुर, जिला हुशियारपुर, अपने घर में डोडा चूरा पोस्त बेचने का कारोबार करता है।

मौके पर जाकर शिकायत के अनुसार दलजीत सिंह उर्फ मंगा पुत्र हरणाम सिंह, निवासी चक नारियल, थाना माहिलपुर, जिला हुशियारपुर के घर पर छापामारी करके वहां से कुल 10,000/- रुपये की ड्रग मनी और 12 किलो 708 ग्राम डोडा चूरा पोस्त बरामद कर मुकद्दमा दर्ज किया गया। मामले की और गहनता से पूछताछ की जा रही है।

माहिलपुर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण जगह जगह पर लगे कचरे के ढेरो से आने वाली बदबू से बीमारियाँ फैलने का गंभीर खतरा

दलजीत अजनोहा/ हुशियारपुर/यूटर्न/19 मई। गर्मी के कारण इन गंदगी के ढेरों में प्लास्टिक की लीफाओं में लोगों के घरों का कूड़ा सड़कर बदबू फैलाने लगा है और इन ढेरों के पास से गुजरना भी मुश्किल हो गया है। लेबर पार्टी के अध्यक्ष जय गोपाल धीमान ने पंजाब सरकार की दोहरे मापदंड वाली नीतियों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि सरकार को पहले ही दिन से हड़ताल पर जाने पर सफाई कर्मचारियों के हालात का तुरंत आकलन कर लेना चाहिए था। गर्मी की वजह से गंदगी के ढेरों में घातक बैक्टीरिया बहुत जल्दी पनपते हैं, यह सांस लेने वाली हवा को प्रभावित करते हैं और किसी भी तरह का वायरस फैल सकता है। इस बैक्टीरिया का आकार इतना सूक्ष्म है कि इसे देखा नहीं जा सकता; यह तुरंत फेफड़ों आदि को प्रभावित करता है। जो लोग इन ढेरों के करीब काम करते हैं या स्थायी रूप से वहां रहते हैं, उनके लिए यह बहुत घातक है। धीमान ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का दायित्व बनता है कि वह तुरंत सरकार को लिखे ताकि सफाई कर्मचारी जल्द से जल्द काम पर लौट सकें। क्या हर काम हड़ताल या प्रदर्शन करके ही सरकार को सुनाई देता है ? इन गंदगी के ढेरों ने प्लास्टिक-मुक्त पंजाब बनाने वाली नीतियों की बनावटी बातें भी सरकार के कामों की पोल खोल दी हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372